सांस्कृतिक एकता की परिचायक हैं धार्मिक यात्राएं

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कैलाश मानसरोवर व सिंधु दर्शन के यात्रियों को बांटे अनुदान के चेक

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि धार्मिक यात्राएं सिर्फ पर्यटन का केंद्र ही नहीं, बल्कि देश की सांस्कृतिक एकता की भी परिचायक हैं। यह सनातन हिंदू धर्म के विराट स्वरूप को प्रदर्शित करता है। एक स्थान से दूसरे स्थान पर जल ले जाने की परंपरा में केवल जल ही नहीं जाता, बल्कि संस्कृति का साम्य भी पहुंचता है। यात्राएं अनेकता में एकता की संस्कृति को भी मजबूत करती हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा भी इसी की परिचायक है। सीएम मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर कैलाश मान सरोवर व सिंधु दर्शन को जाने वाले यात्रियों को अनुदान का चेक वितरित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि धार्मिक यात्रा में यूं तो सरकारी चंदा नहीं लेना चाहिए, लेकिन कैलाश मानसरोवर यात्रा से लोगों के साम्य स्थापित करने और उस भूमि से भारत के अटूट संबंध को बनाए रखने के लिए जरूरी है। सीएम ने कहा कि धर्म को संकुचित रूप से देखना ठीक नहीं है। धर्म की व्यापक अवधारणा लोक कल्याणकारी है। धार्मिक यात्राओं के लिए सरकार पर निर्भरता कम होनी चाहिए। इसके लिए समाज को आगे आना होगा। सामाजिक कार्यों में सरकार के हस्तक्षेप से समस्या पैदा होती है। सरकार का काम लोक कल्याण करना है। उन्होंने कहा कि अब तीर्थ यात्राओं में सुविधाएं काफी बढ़ गई हैं। चीन बाधा न बने तो मानसरोवर की यात्रा भी 21 दिन के बजाए दो दिन में हो जाए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने धर्मार्थ कार्य विभाग के वेबपोर्टल को भी लॉन्च किया।

कैलाश मानसरोवर यात्रियों को 50-50 हजार का अनुदान

मुख्यमंत्री ने वर्ष 2016 में कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाले 94 यात्रियों को 50-50 हजार रुपये अनुदान के चेक दिए। इसके अलावा सिंधु दर्शन करने वाले 71 यात्रियों को 10-10 हजार रुपये के चेक प्रदान किए। वहीं 2017 में कैलाश मानसरोवर यात्रा पर जाने वाले यात्रियों को एक-एक लाख का अनुदान दिया जाएगा।

कैलाश मानसरोवर व सिंधु दर्शन को जाने वाले यात्रियों को अनुदान का चेक वितरित करते सीएम योगी आदित्यनाथ। अमर उजाला

योगी के आशीर्वाद बिना कैलाश और सिंधु यात्रा अधूरी : धर्मार्थ कार्य मंत्री लक्ष्मी नारायण चौधरी ने कहा कि अयोध्या में रामलीला, वृंदावन में कृष्णलीला और चित्रकूट में भजन संध्या रामराज्य की दिशा में पहला कदम है। ये अनुदान राज्य सरकार की सहायता के रूप में नहीं, बल्कि योगी आदित्यनाथ के प्रसाद के रूप में दी जा रही है। जैसा भैरव के दर्शन के बिना महाकाल का दर्शन पूरा नहीं होता। वैसे ही योगी के आशीर्वाद बिना कैलाश और सिंधु यात्रा पूरी नहीं होती। इससे पहले कैलाश मानसरोवर निष्काम सेवा समिति के अध्यक्ष उदय कौशिक ने कहा कि पीएम मोदी ने कैलाश यात्रा को नया आयाम दिया तो योगी ने सुविधाओं को नया आयाम दिया है।

सिंधु दर्शन का अनुदान बढ़ाने की मांग : सिंधी समाज के अमृत राजपाल ने मुख्यमंत्री से सिंधु दर्शन का अनुदान 10 हजार रुपये से बढ़ा 30 हजार रुपये करने की मांग की। इसके अलावा लखनऊ में सिंधु यात्री भवन निर्मित कराने और अवध विश्वविद्यालय में खुले सिंधी भाषा विभाग को यूजीसी से अनुदान दिलाने की भी मांग की। इससे पहले प्रमुख सचिव अवनीश अवस्थी ने कहा कि आस्था और धर्म व्यक्ति में अनुशासन और सकारात्मक सोच पैदा करती है। उन्होंने कहा कि कैलाश मानसरोवर यात्रा व अमरनाथ यात्रा से जुड़ी सभी घोषणाएं पूरी करने के लिए हम जान लगा देंगे।